Student Name – Shashi Meshram
Date – 17/03/2022

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1. 1

सरकारी कार्यालयों में सूचना के आदान-प्रदान हेतु पत्र-व्यवहार पद्धति के अनुरूप पत्रों का आलेखन या प्रारूप तैयार करना 'प्रारूपण' कहलाता है। पत्रों का प्रारूपण विचारार्थ विषय को और सही अच्छे से समझने के लिए किया जाता है।

1. 2

उत्पत्ति की दृष्टि से शब्द निम्न प्रकार के होते हैं:-
(1) तत्सम शब्द – इमली, चारपाई
(2) तद्भव शब्द – पुष्प, पुत्र
(3) अर्द्ध तत्सम शब्द – अंगना, बेरा
(4) देशज शब्द – आँगन, लोटा
(5) विदेशज शब्द – किताब, क्रिकेट

1. 3

मूल शब्दों या सार्थक शब्दों के पीछे लगकर शब्दों के अर्थ में परिवर्तन लाने वाले शब्दों को 'प्रत्यय' कहते हैं।
उदा० – सफल + ता = सफलता
इसमें 'सफल' मूल शब्द तथा 'ता' प्रत्यय है।

1. 4

परिभाषिक शब्द किसी विशेष क्षेत्र, संकाय, विषय इत्यादि में प्रयुक्त होने वाले शब्दों के लिए 'समुचित अर्थ' व्यक्त करने वाले शब्द जैसे होते हैं। विज्ञान, कला, व्यवसाय इत्यादि में उपयोग होने वाले शब्दों को 'एक शब्द' में परिभाषित करने वाले शब्द 'परिभाषिक शब्द'

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कहलाते हैं। जैसे - Directory का हिंदी पारिभाषिक शब्द 'निर्देशिका' है अर्थात पारिभाषिक शब्द, वे शब्द होते हैं जो सामान्य शब्द एवं पारिभाषिक शब्दों के मध्य के होते हैं।

1. 5 दो या अधिक वर्णों से मिलकर बनी सार्थक ध्वनि 'शब्द' कहलाती है।

उदा० - क् + अ = क

1. 6 हिन्दी भाषा का विकास देवनागरी लिपि में हुआ है। इसके अतिरिक्त गुजराती, मराठी, संस्कृत, डोगरी, राजस्थानी इत्यादि भाषाएँ भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।
देवनागरी लिपि का उद्भव 'ब्राह्मी लिपि' से माना जाता है।

1. 7 व्याकरण वह शास्त्र है जिसमें किसी भाषा के प्रादुर्भाव से लेकर उसके लिखने, पढ़ने, बोलने इत्यादि का अध्ययन किया जाता है। उस भाषा के संपूर्ण नियम उसकी व्याकरण के अंतर्गत आते हैं, जो उस भाषा को अधिक सम्बद्ध एवं प्रभावशाली बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं।

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet) | भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार..

1.8 सार्थक-निरर्थक शब्द युग्म वे होते हैं जिनमें एक शब्द सार्थक एवं दूसरा शब्द निरर्थक हो अर्थात् एक शब्द का कुछ अर्थ निकलता हो तथा दूसरे शब्द का कोई अर्थ न हो।

उदा० – चाय-वाय

बातें-वातें इत्यादि

1.9 जब एक स्वर एवं एक व्यंजन या दो व्यंजनों के मिलने से शब्द में विकार या परिवर्तन हो तो उसे 'व्यंजन संधि' कहते हैं।

उदा० दिक् + अम्बर = दिगंबर

सत् + जन = सज्जन

1.10 समास का अर्थ होता है 'समा जाना' या 'संक्षिप्त करना'। जब दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक शब्द बनाते हैं और बीच के शब्दों का लोप हो जाता है, तब उसे समास कहते हैं। समास के 6 भेद हैं— द्वंद्व समास, द्विगु समास, कर्मधारय समास, अव्ययीभाव समास, बहुव्रीहि समास, तत्पुरुष समास

1.11 पल्लवन की विशेषताएँ :-

(1) इसमें भावों का विस्तार किया जाता है।

(2) इसमें मूल भावों को स्पष्ट करने की कोई संबंध सीमा नहीं होती

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(3) इसमें आलोचना या टीका टिप्पणी करने की छूट नहीं होती है, भावार्थ या व्याख्या की तरह।

1. 12 कर्मधारय समास में प्रथम पद विशेषण व दूसरा पद विशेष्य होता है। इसमें उत्तर पद या दूसरा पद प्रधान होता है।

उदा० — नीलकमल = नीला है जो कमल
कालीमिर्च = काली है जो मिर्च

बहुव्रीहि समास में शब्दों का अर्थ समास विग्रह करने के पश्चात् कोई तीसरा शब्द होता है।

उदा० — लंबोदर = लंबा है उदर जिसका अर्थात् गणेशजी
दशानन = दस है आनन जिसके अर्थात् रावण

1. 13 कार्यालयी पत्र व्यवहार पद्धति में जब कोई पत्र यथावत् दूसरे कार्यालय भेजना होता है तो उसे 'पृष्ठांकन' करना कहते हैं। इसमें या तो वही पत्र आगे भेज दिया जाता है, जिसमें हाशिये में पृष्ठांकन कर दिया जाता है। या फिर एक नया पत्र पृष्ठांकन करके भेजा जाता है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1. 14	संक्षेपण में भावों को संक्षिप्त में लिखा जाता है। जबकि पल्लवन में इसके विपरीत भावों का विस्तार किया जाता है। दोनों में ही यह ध्यान रखा जाता है कि मूल भाव बना रहे
1. 15	कार्यालय ज्ञापन कार्यालयी उपयोग के लिए जारी किया जाता है। यह किसी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा जारी किया जाता है जबकि जापन या सामान्य ज्ञापन निजी व्यक्तियों द्वारा जारी किया जाता है।
1. 16	उपसर्ग, मूल शब्दों के पूर्व लगकर अर्थ में परिवर्तन उत्पन्न करते हैं। उ०— अति + वृष्टि = अतिवृष्टि इसमें 'अति' उपसर्ग है एवं 'वृष्टि' मूलशब्द है। प्रत्यय, मूलशब्दों के अंत में लगकर अर्थ में परिवर्तन लाते हैं। उ०— सहन + शील = सहनशील इसमें 'सहन' मूलशब्द है तथा 'शील' प्रत्यय है।
1. 17	'कवर्ग' में क, ख, ग, घ, ङ आते हैं। व्यंजन संधि में यदि 'क वर्ग' के आगे कोई स्वर या इसी वर्ग का तीसरा व्यंजन आजाये तो उसके स्थान पर इसी वर्ग का तीसरा व्यंजन

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

अर्थात 'ग' आ जाता है।
उदा० - दिक् + गज = दिग्गज
दिक् + अंबर = दिगंबर

यदि 'क्' के आगे कोई अनुनासिक आ जाये तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवा वर्ण आ जाता है।
उदा० - वाक् + मय = वाङ्मय

1. 18 उच्चारण के आधार पर स्वर तीन प्रकार के हैं :-
(1) अग्र स्वर - जिनके उच्चारण में जिह्वा का अग्रभाग प्रयोग होता है।
उदा० - इ, ई, ऋ, ॠ
(2) मध्य स्वर - जिनके उच्चारण में जिह्वा का मध्यभाग प्रयोग में लाया जाता है।
उदा० - अ
(3) पश्च स्वर - जिनके उच्चारण के लिए जिह्वा का पश्च भाग प्रयोग होता है।
उदा० - ए, ऐ, ओ, औ, ऋ

1. 19 बोलने के लिए प्रयोग की जाने ध्वनि अथवा वार्तालाप के लिए उपयोग किया जाने वाला माध्यम 'भाषा' कहलाता है। जबकि भाषा में उपयोग किये जाने वाली 'वाणी' या 'शब्द', 'वाक्' कहलाते हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. । संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

1. 20

'स्वर' वे ध्वनियां हैं जिनके उच्चारण में मुख-विवर से हवा निकलती है। जैसे- अ, आ, इ, ई इत्यादि। ~~जबकि व्यंजन~~ इनके उच्चारण के लिए व्यंजनों की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

जबकि व्यंजन वे ध्वनियां हैं जिनके उच्चारण में लिए मुख-विवर से हवा नहीं निकलती। इनके उच्चारण के लिए ~~व्यंजनों~~ स्वरों की आवश्यकता पड़ती है।

उदा० - क् + अ = क

1. 21

अपभ्रंश से विकसित भाषाएं -

(1) शौरसेनी अपभ्रंश - पश्चिमी हिंदी, गुजराती, राजस्थानी, पहाड़ी

(2) मागधी अपभ्रंश - बिहारी, मैथली, भोजपुरी, ओ उड़िया इत्यादि

1. 22

नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, उत्तर प्रदेश में स्थापित ~~कि~~ की गयी थी। इसका उद्देश्य हिंदी भाषा व देवनागरी लिपि का ~~प्रचार~~ प्रचार प्रसार करना था।

1. 23

खड़ी बोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। यह उत्तर भारत में बोली जाती है। इसके अंतर्गत देहरादून, मुज्जफरनगर और उत्तर प्रदेश के उत्तरी भाग आते हैं।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वारा...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1. 24 देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली 3 भाषाएँ हैं – हिन्दी, गुजराती, मराठी

1. 25 92वाँ संविधान संशोधन द्वारा 2003 में अनुसूची 8 में 4 भाषाएं जोड़ी गयी थी। ये भाषाएं थी – बोडो, डोंगरी, मैथली व संथाली। इसके बाद अनुसूची 8 में भाषाओं की संख्या 22 हो गयी।

2. 1 श्लेष व यमक अलंकार में अंतर :-

(1) श्लेष अलंकार – श्लेष का अर्थ होता है 'चिपका हुआ'। जब एक ही शब्द ~~बार-बार प्रयोग हो किन्तु प्रत्येक बार उसका भिन्न अर्थ~~ के भिन्न अर्थ निकलते हैं तब वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उदा.- "रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरै, मोती, मानस, चून ॥"

इसमें पानी का अर्थ कांति, स्वाभिमान और जल है

(2) यमक अलंकार – जब एक ही शब्द बार-बार प्रयोग किया जाए किन्तु प्रत्येक बार उसका भिन्न अर्थ हो, वहाँ यमक अलंकार होता है।

उदा. "तीन बेर खाती थी ~~वो वो~~ तीन बेर खाती है।"

पहले बेर का अर्थ ~~बेर फल~~ 'तीन बार' है और दूसरे बेर का अर्थ ~~'तीन बार'~~ 'बेर फल'।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2. 2

उपमा व रूपक अलंकार में अंतर :-

(1) उपमा अलंकार - जब समान धर्म के कारण समानता या तुलना की जाए वहाँ उपमा अलंकार होता है।

उदा० - "हरिपद कोमल कमल से"

यहाँ 'हरिपद' उपमान, 'कमल' उपमेय, 'कोमलता' साधारण धर्म एवं 'से' वाचक शब्द है।

(2) रूपक अलंकार - जहाँ उपमेय में उपमान का आरोप हो अर्थात् उपमेय और उपमान में कोई भेद न रहे, वहाँ रूपक अलंकार होता है

उदा० - "पायोजी मैंने राम रतन धन पायो।"

यहाँ रामरतन को ही धन कहा गया है।

3. अ

(i) Voice is a great blessing. It can be a big curse.

(ii) One mistake of tongue or use of an uncommon word can produce an enemy where we hoped to find a friend.

(iii) The normal words of an educated person can generate the effect ~~of~~ similar to arrogance in an uneducated person.

(iv) We can use such a word which can carry as such meaning for our listener.

(v) Only a fool will express himself same in all kinds of human circumstances and conditions.

3. ब

(i) लोकतंत्र अनुशासन, सहनशीलता एवं परस्पर-संबंध की माँग करता है।

(ii) स्वतंत्रता दूसरों की स्वतंत्रता के सम्मान की माँग करती है।

(iii) अन्य सरकार जो लोक-समर्थन रखती है वह पहली का स्थान ले लेती है।

(iv) जो ~~सरकार~~ समूह जानती है कि वह पर्याप्त लोक-समर्थन नहीं ले सकती है, वह हिंसक साधनों ~~की~~ का सहारा लेती है।

(v) यह न केवल पूर्णतः गलत है बल्कि पूर्णतः मूर्खतापूर्ण भी है।

4. 1

रमेश बुद्धिमान बालक है, इसमें 'बुद्धिमान' विशेषण है जो बालक अर्थात् रमेश की विशेषता बता रहा है।

4. 2

उद्धरण चिन्ह (' ') अथवा (" ") का प्रयोग निम्न स्थानों पर किया जाता है:

(1) ' ' का प्रयोग किसी महत्वपूर्ण बात को बताने के लिए किया जाता है। जैसे:- उस किताब का रंग 'हरा' था।

(2) " " का प्रयोग किसी की कही बात को वैसा का वैसा बताने के लिए किया जाता है। जैसे:- तुलसीदास जी ने कहा है -

"रघुकुल रीत सदा चली आई।
प्राण जाए पर वचन न जाई।।"

लाघव चिन्ह (.) का प्रयोग किसी शब्द को संक्षिप्त में लिखने के लिए किया जाता है।
जैसे - पं. - पंडित
कृ० पृ० उ० - कृपया पृष्ठ उलटिए

4. 3

मोहन अचानक आ गया, इसमें अचानक क्रिया-विशेषण है जो क्रिया (आ जाना) की विशेषता बता रहा है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

4. 4
जग मंदिर = जग का मंदिर
इसमें तत्पुरुष समास है।
(संबंध तत्पुरुष समास)

4. 5
नवग्रह = नव ग्रहों का समूह
इसमें प्रथम पद संख्यावाचक है अर्थात्
द्विगु समास है।

4. 6
रवि प्रताप = रवि का प्रताप
इसमें संबंध तत्पुरुष समास है।

4. 7
अभ्यर्थी = अभि + अर्थी
इसमें यण् स्वर संधि है।

4. 8
औ + अक = भावक
इसमें अयादि स्वर संधि है।

4. 9
विपत् + जाल = विपज्जाल
इसमें व्यंजन संधि है।

4. 10
प्रत्युपकार = प्रति + उपकार
इसमें यण् स्वर संधि है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

5. 1	अकार्य का तद्भव शब्द = अकाज
5 2	इमली का तत्सम शब्द = अम्लिका
5 3	नीरस का विलोम = सरस
5 4	वासना = किसी वस्तु की इच्छा या कामना बासना = कोई वस्तु बासी हो जाना अथवा किसी वस्तु से दुर्गंध आना
5 5	पताका = ध्वज या ध्वजा, झंडा
5 6	क्षिप्रहस्त = तेजी से काम करने वाला या जल्दी जल्दी हाथ चलाने वाला या कुशल व्यक्ति उदा० – रीना सूत कातने में क्षिप्रहस्त है।
5 7	रंगा-सियार = धोखेबाज़ व्यक्ति उदा० – पूँजीवादी व्यवस्था में हर पूँजीपति को रंगा-सियार ही समझ लिया जाता है।
5 8	उल्टे बाँस बरेली = उल्टे या विपरीत कार्य करना अथवा मूर्खतापूर्ण कार्य करना उदा० – कृष्णा रात भर जागकर पढ़ता है और दिनभर सोता है, इसे कहते हैं उल्टे बाँस बरेली।

5. 9 Disparity = असमानता अथवा विषमता

5. 10 मानहानि = Defamation

6. 1 कल्पना में कवि रूप-व्यापार योजना का कविया श्रोता को अंतः साक्षात्कार का बोध होता है।

6. 2 भारतीय दृष्टि में काव्य ने भावत्व को प्रधानता दी और रस के सिद्धांत की प्रतिष्ठा की

6. 3 ~~कल्पना~~ केवल देखने का आनंद कुछ विलक्षण को देखने का कुतूहल मात्र होता है।

6. 4 'कल्पना' काव्य का ध्यान-भाव पक्ष होता है।

भाव पल्लवन —

7 1 निराला और कबीर दोनों ही अपने-अपने समय में बदलाव के प्रतीक माने जाते हैं। दोनों ने ही पूर्व विद्यमान व्यवस्था को चुनौती दी और एक नयी चेतना का प्रादुर्भाव किया। अपने-अपने काव्यों, कविताओं और लेखनी के माध्यम से अपने समय में व्याप्त अंधविश्वास व रूढ़िवादी सोच, गहरा प्रहार किया। इस प्रकार दोनों ही अपनी लेखनी के माध्यम अपने कविचार व्यक्त करते रहे और जन मानस में नयी चेतना का संचार करते रहे। इस प्रकार वे

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

दोनों ही अपने-अपने समय के नयी चेतना के पथ प्रदर्शक के रूप में जाने जाते हैं।

7. 2

संकेतन — निराला एवं कबीर दोनों ही अपने-अपने समय में समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रश्नचिन्ह लगाने के लिए जाने जाते हैं। दोनों ने ही अपनी वाणी के माध्यम से सामान्य जनों के हृदय में नयी चेतना जगाने का कार्य किया। दोनों ही अपने समय के संत और कवि थे परन्तु कबीर को संत के रूप में ~~प्रसिद्धि~~ ~~मिली~~ प्रसिद्धि मिली और निराला को एक कवि के रूप में।